Total No. of Questions : 07] **[SET-B]** **[Total No. of Printed Page : 1**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

चतुर्थ सेमेस्टर

4 MAHIN 3

प्रश्न पत्र– तृतीय

वैकल्पिक – कथाकार प्रेमचंद

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट :– किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–

(अ) वहॉ के वातावरण में सरूर था, हवा में नशा। कितने यहां आकर एक चुल्लू में मस्त हो जाते थे शराब से यहॉ की हवा उन पर नशा करती थी। जीवन की बाधाऍ यहॉ खींच लाती थी और कुछ देर के लिए वे यह भूल जाते थे कि वे जीते हैं या मरते हैं, या न जीते हैं, न मरते हैं।

(ब) धन को आप बराबर फैला सकते हैं लेकिन बुद्धि को, चरित्र को, रूप को, प्रतिभा को, और बल को बराबर फैलाना तो आपकी शक्ति के बाहर है। छोटे बड़े का भेद केवल धन से ही तो नहीं होता। मैनें बड़े बड़े धन कुबेरों को भिक्षुकों के सामने घुटने टेकते देखा है और आपने देखा भी होगा। रूप की चौखट पर बड़े बड़े महीप नाक रगड़ते हैं। क्या यह सामाजिक विषमता नहीं है?

प्र.2. ''गोदान में शहरी और ग्रामींण कथा का पारस्परिक गुंफन उपन्यास गठन को शिथिल बना देता है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र.3. औपन्यासिक तत्वों के आधार पर कर्मभूमि की विवेचना कीजिए।

प्र.4. 'रंगभूमि' उपन्यास के पुरूष पात्रों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्र.5. कहानी कला की दृष्टि से 'कफन' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्र.6. ''प्रेमचंद के उपन्यासों में आदर्शवाद और यथार्थवाद का सुंदर समण्वय है।'' अपना मंतव्य प्रकट कीजिए।

प्र.7. टिप्पणीं लिखिए :–

(i) 'पंच परमेश्वर' का कथानक

(ii) सद्गति कहानी का सारांश

(iii) ईदगाह का उद्देश्य

Total No. of Questions : 07] **[SET-B]** **[Total No. of Printed Page : 1**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

चतुर्थ सेमेस्टर

4 MAHIN 3

प्रश्न पत्र– तृतीय

वैकल्पिक – कथाकार प्रेमचंद

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट :– किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–

(अ) वहॉ के वातावरण में सरूर था, हवा में नशा। कितने यहां आकर एक चुल्लू में मस्त हो जाते थे शराब से यहॉ की हवा उन पर नशा करती थी। जीवन की बाधाऍ यहॉ खींच लाती थी और कुछ देर के लिए वे यह भूल जाते थे कि वे जीते हैं या मरते हैं, या न जीते हैं, न मरते हैं।

(ब) धन को आप बराबर फैला सकते हैं लेकिन बुद्धि को, चरित्र को, रूप को, प्रतिभा को, और बल को बराबर फैलाना तो आपकी शक्ति के बाहर है। छोटे बड़े का भेद केवल धन से ही तो नहीं होता। मैनें बड़े बड़े धन कुबेरों को भिक्षुकों के सामने घुटने टेकते देखा है और आपने देखा भी होगा। रूप की चौखट पर बड़े बड़े महीप नाक रगड़ते हैं। क्या यह सामाजिक विषमता नहीं है?

प्र.2. ''गोदान में शहरी और ग्रामींण कथा का पारस्परिक गुंफन उपन्यास गठन को शिथिल बना देता है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र.3. औपन्यासिक तत्वों के आधार पर कर्मभूमि की विवेचना कीजिए।

प्र.4. 'रंगभूमि' उपन्यास के पुरूष पात्रों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्र.5. कहानी कला की दृष्टि से 'कफन' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्र.6. ''प्रेमचंद के उपन्यासों में आदर्शवाद और यथार्थवाद का सुंदर समण्वय है।'' अपना मंतव्य प्रकट कीजिए।

प्र.7. टिप्पणीं लिखिए :–

(i) 'पंच परमेश्वर' का कथानक

(ii) सद्गति कहानी का सारांश

(iii) ईदगाह का उद्देश्य